अंबे तू है जगदम्बे काली

अंबे तू है जगदम्बे काली, जय दुर्गे खप्पर वाली।

तेरे ही गुण गावें भारती, ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती।।

तेरे भक्त जनों पर माता बरसे दुःख और संकटों की लाठी।

और ना शरणे आए कोई, तेरी शरण में जो आए, उनको सब दुःखों से मुक्ति मिल जाती।।

जो जन तुमको ध्यावे, फल अमल का चारि।

दुःख विसरे मन का, स्वामी दुःख विसरि।।

माता रानी हमेशा मदद करो, सब के दुःख दूर करो।

नव ग्रहों की पीड़ा से, दूर करो हम सब की छाया से।।

जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी।

तुमको निशदिन ध्यावत हरि विष्णु विधाता।।

ब्रह्माणी, रुद्राणी, तुम कमला रानी।

आगम निगम बखानी, तुम शिव पत्नी।।

चौसठ योगिनी मंदिर विचारी।

श्रीचिन्तपूर्णि मंदिर विचारी।।

तुम ही जग की माता, तुम ही हो भरता।

भक्तन की दुःख हरता, सुख सम्पति करता।।

अंबे तू है जगदम्बे काली, जय दुर्गे खप्पर वाली।

तेरे ही गुण गावें भारती, ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती।।

Penauts Social